लखनऊ को पांच जिलों से जोड़ेगा छह लेन का विज्ञान पथ

बदलता लखनऊ

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। राजधानी लखनऊ के विकास और यातायात व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार लाने के लिए एलडीए विज्ञान पथ नामक 250 किलोमीटर लंबी, छह-लेन की एक महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना तैयार कर रहा है। यह पथ लखनऊ को हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली और उन्नाव जैसे पांच जिलों को जोड़ेगा। एलडीए इस परियोजना को एससीआर के विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में शामिल कर रहा है।

विज्ञान पथ पांच जिलों की दूरी होगी आधी: विज्ञान पथ सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास की नई रीढ़ साबित होने जा रही है। 250 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग छह लेन का होगा, जिससे भारी वाहनों और आम यातायात दोनों के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

वर्तमान में इन जिलों से लखनऊ पहुंचने में जहां जाम और संकरी सड़कों की वजह से घंटों लगते हैं, वहीं विज्ञान पथ बनने के बाद यह दूरी लगभग आधी रह जाएगी। हर जिले से राजधानी तक 60 से 75 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। आवागमन में राहत मिलने से तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। सुविधाएं मिलने पर लखनऊ का जीवन स्तर और अच्छा होगा, निवेश बढ़ेगा और रोजगार मिलेगा।

250 किमी का विज्ञान पथ एससीआर परियोजना में शामिल किया जाएगा

60 मिनट में हरदोई, सीतापुर, रायबरेली से लखनऊ पहुंचा जा सकेगा

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, आसान होगी राह

एलडीए के मुख्य नगर नियोजक के अनुसार, विज्ञान पथ को 2027 तक राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) का हिस्सा बना दिया जाएगा। इसके बनने से राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन आएगा। शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या में भारी कमी होगी, क्योंकि भारी वाहन सीधे बाहरी परिधीय मार्ग से गुजर सकेंगे। इस परियोजना के साथ 20 विकास नोड भी प्रस्तावित हैं, जिनमें औद्योगिक पार्क, शैक्षणिक संस्थान और व्यावसायिक परिसर विकसित किए जाएंगे।

- हरदोई, बाराबंकी, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर को लखनऊ से जोड़ेगा
- लखनऊ पहुंचने के लिए अभी जाम और संकरे रास्ते से गुजरना पड़ता है

अटल को समर्पित है नाम

इस हाईवे का नाम विज्ञान पथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित होगा। उनके प्रसिद्ध नारे जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान से प्रेरणा लेकर इस परियोजना का नाम प्रस्तावित किया गया है। यह केवल एक सड़क नहीं, बल्कि 'विज्ञान, प्रगति और समृद्धि' का मार्ग बनेगी।

ग्लोबल सिटी के लिए लखनऊ की छलांग

एलडीए का यह प्रयास राजधानी को ग्लोबल सिटी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। विज्ञान पथ बनने से जहां क्षेत्रीय यातायात सुगम होगा, वहीं राजधानी की सीमाओं का विस्तार भी एससीआर मॉडल के तहत सुनिश्चित होगा।

एलडीए के अधिकारियों के मुताबिक, इस पथ के निर्माण से लखनऊ की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। आसपास के जिलों में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी, शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थान सुलभ होंगे तथा कृषि उत्पादों के परिवहन में भी तेजी आएगी। लोगों को रोजगार सुलभ होगा, तरक्की होगी।